दृष्टि The Vision

इतिहास (वैकल्पिक विषय)

8 Test

(विश्व इतिहास)

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time allowed: Three Hours

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

DTVF/19 (J-S)–M–H4

Name: Ravi Gangwar **Mobile Number:** ____________

Medium (English/Hindi): Hindi **Reg. Number:** AWAKE-19/G002

Center & Date: Mukherjee Nagar, 30/7/19 **UPSC Roll No. *(If allotted)*:** 0801337

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:
इसमें आठ प्रश्न हैं जो दो खण्डों में विभाजित हैं तथा हिन्दी एवं अंग्रेज़ी भाषा में मुद्रित हैं।
परीक्षार्थी को कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर देने हैं।
प्रश्न संख्या 1 और 5 अनिवार्य हैं तथा बाकी में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम एक प्रश्न चुनकर किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिये।
प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिये गए हैं।
प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।
जहाँ आवश्यक हो, अपने उत्तर को उपयुक्त चित्रों/मानचित्रों तथा आरेखों द्वारा दर्शाएँ। इन्हें प्रश्न का उत्तर देने के लिये दिये गए स्थान में ही बनाना है।
प्रश्नों के उत्तरों की गणना क्रमानुसार की जाएगी। यदि काटा नहीं हो, तो प्रश्न के उत्तर की गणना की जाएगी चाहे वह उत्तर अंशतः दिया गया हो। प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:
*There are **EIGHT** questions divided in **TWO SECTIONS** and printed both in **HINDI & ENGLISH**.*
*Candidate has to attempt **FIVE** questions in all.*
*Questions no. 1 and 5 are compulsory and out of the remaining, any **THREE** are to be attempted choosing at least **ONE** from each section.*
The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (Q.C.A.) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.
Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.
Illustrate your answers with suitable sketches/maps and diagrams, wherever considered necessary. These shall be drawn in the space provided for answering the question itself.
Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

प्र. सं. (Q.No.)	a	b	c	d	e	कुल अंक (Total Marks)	प्र. सं. (Q.No.)	a	b	c	d	e	कुल अंक (Total Marks)
1							5						
2							6						
3							7						
4							8						
						सकल योग (Grand Total)							

मूल्यांकनकर्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(c) "द्वितीय विश्वयुद्ध का आरंभ 1939 ई. में न होकर 1919 ई. में माना जा सकता है।" कथन का तार्किक विश्लेषण कीजिये।

"World War II was not started in 1939 and can be considered in 1919." Analyse the statement logically.

प्रथम विश्वयुद्ध की समाप्ति के पश्चात पुनः युद्ध की विभीषिका से बचने के लिए उपाय करने के बावजूद 1939 में द्वितीय विश्वयुद्ध प्रारम्भ हो गया और कुछ हद तक इसके मूल में प्रथम विश्वयुद्ध के पश्चात घटी घटनाएँ भी थी।

वस्तुतः प्रथम विश्वयुद्ध के पश्चात पेरिस शान्ति सम्मेलन (1919) में लिए गये निर्णय शान्ति के लिए न होकर बदले की भावना से प्रेरित थे। वर्साय की सन्धि के द्वारा जर्मनी का अपमान हो (जिसमें एकतरफा निरस्त्रीकरण, आर्थिक हर्जाना आदि) या फिर इटली के साथ किया गया विश्वासघात।

इटली को लन्दन की गुप्त

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

सन्धि की शर्तों को पूरा होने का अनुमान था किन्तु 1919 के सम्मेलन में उसे आहत अभिमान और निराशा का उन्माद, शांति की लाश पर मिला।

उपर्युक्त प्रावधानों के चलते जर्मनी, इटली आदि राष्ट्रों में फासीवादी सरकारों का गठन हुआ जिन्होंने प्रथम-विश्वयुद्ध के अपमान का बदला लेने की बात कही और गुटीय राजनीति को बढ़ावा दिया और पुनः शस्त्रीकरण भी आरम्भ किया।

निष्कर्षतः कहा जा सकता है कि द्वितीय विश्व युद्ध के बीज तो प्रथम विश्वयुद्ध के पश्चात होने वाली वर्साय की सन्धि (1919) में दिये थे वास्तव में यह शान्ति सन्धि न होकर 20 वर्षों का युद्ध विराम था।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(d) मुसोलिनी के उत्थान में तत्कालीन इटली सरकार की अदूरदर्शी नीति किस प्रकार सहायक सिद्ध हुई?

How did the improvident policy of the then Italian government prove to be helpful in the rise of Mussolini?

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

प्रथम विश्वयुद्ध में इटली जीतकर भी हार गया और इसी हार के परिणाम स्वरूप इटली में मुसोलिनी का उदय हुआ जिसने यूरोप में पहली फासीवादी सरकार की स्थापना की।

वस्तुतः प्रथम विश्वयुद्ध के पश्चात उपजी आर्थिक कठिनाईयों तथा महँगाई एवं बेरोजगारी की स्थिति को इटली की सरकार सम्हाल नहीं पायी और जनता में असंतोष निरन्तर बढ़ता जा रहा था।

इसी प्रकार शान्ति सम्मेलन में इटली की शर्तों का न माने जाने का कारण भी जनता सरकार की कमी ही मानती थी। जिसके चलते आम जनता का लोकतांत्रिक सरकार से मोहभंग हो चुका था।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

इन्हीं सब परिस्थितियों में जब मुसोलिनी ने इटली की जनता के पुनः इटली के गौरव की वापसी का वादा किया तो उसने तत्काल उसका साथ दिया। वस्तुतः सैनिकों को विजय का आश्वासन, आम जनता को साम्यवादियों के नियंत्रण का भय दिखाकर उसने अपने पक्ष में कर लिया, और एक दिन अपने स्वयं सेवकों के साथ रोम मार्च करके इटली की सत्ता पर अधिकार कर लिया।

इस प्रकार स्पष्ट है कि इटली में मुसोलिनी का उदय न केवल सरकार बल्कि पेरिस शान्ति सम्मेलन में लिए गये अविवेकपूर्ण नतीजों का परिणाम था जिसके चलते यूरोप में पुनः एक विश्वयुद्ध (1939-45) प्रारम्भ हुआ

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेलः helpline@groupdrishti.com, वेबसाइटः www.drishtiIAS.com
फेसबुकः facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटरः twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(e) "बर्लिन की दीवार का ढहना विभाजित यूरोप की धारणा को समाप्त करने की दिशा में उठाया गया महत्त्वपूर्ण कदम था।" विवेचना कीजिये।

"The collapse of the Berlin Wall was an important step towards the direction of ending the concept of divided Europe".

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

द्वितीय विश्व युद्ध के पश्चात जब लग-भग सम्पूर्ण विश्व दो ध्रुवों में बँट गया जिसमें पूँजीवादी अमेरिका तथा साम्यवादी रूस का नेतृत्व शामिल था, जर्मनी के भी दो हिस्से किये गये।

पूर्वी जर्मनी पर साम्यवादी रूस का नियंत्रण था तो पश्चिमी जर्मनी पर पूँजीवादी ताकतों का। वास्तुतः इसी तरह से यूरोप का पूँजीवादी व साम्यवादी गुटों में विभाजन भी हो चुका था।

किन्तु धीरे-२ जब यूरोप के देशों को अपनी सुरक्षा तथा आर्थिक समृद्धि की चिंता सताने लगी तो इन्हें एकीकृत यूरोप की अवधारणा उचित जान पड़ी और इसी क्रम में विभिन्न संधियों यथा रोम संधि, मास्ट्रिच संधि

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

आदि के जरिये यूरोपीय एकीकरण की प्रक्रिया शुरू हुयी। प्रारम्भ में व्यापार में एकता तथा उसके बाद धीरे-2 आवाजाही में स्वतंत्रता तो मौद्रिक एकता के द्वारा भी यूरोपियन यूनियन की स्थापना का मार्ग प्रशस्त हुआ। इसी क्रम में जब साम्यवादी रूस की असफलता के चलते पूर्वी जर्मनी में भी पूंजीवादी विचारों को समर्थन मिलने लगा तो पश्चिमी व पूर्वी जर्मनी का आपसी सहमति से एकीकरण हुआ और बर्लिन की दीवार गिरा दी गयी।

बर्लिन की दीवार के गिरने के बाद रूस का भी पतन हुआ और विभिन्न यूरोपीय राष्ट्रों में साम्यवादी की जगह लोकतांत्रिक सरकारों का गठन हुआ और इस प्रकार उनका समर्थन भी यूरोपियन यूनियन को मिला और एकीकृत यूरोप की अवधारणा साकार हुयी।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

2. (a) 19वीं शताब्दी में उदित राष्ट्रवाद को यूरोपीय ज्ञानोदय, इंग्लैण्ड की शानदार गौरवपूर्ण क्रांति तथा फ्राँस की क्रांति ने मज़बूत आधार प्रदान किया। स्पष्ट कीजिये। 20

In the 19th century, the rise of European enlightenment, the glorious revolution of England, and the French Revolution gave strong base to the emergence of nationalism. Explain. 20

मध्यकालीन धार्मिक कट्टरता तथा अंधकार के युग में जब राज्यों तथा लोगों के जीवन में धर्म का प्रमुख स्थान था तथा विभिन्न युद्ध धर्म के नाम पर लड़े जाते थे तो मानव स्वतन्त्रता सीमित थी तो 16 वीं शताब्दी में पुनर्जागरण तथा प्रबोधन के चलते इस पर विराम लगा।

वस्तुतः प्रबोधन तथा पुनर्जागरण के चलते मानव की महत्ता बढ़ी इसी क्रम में युद्धों का उद्देश्य राज्य की सुरक्षा हो गया और राज्यहित राष्ट्रहित में बदल गया तथा युद्धों का उद्देश्य राष्ट्र हेतु संसाधनों की प्राप्ति होने लगा इसी क्रम में राष्ट्रवाद की अवधारणा का उदय हुआ जिसके तहत

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

राज्य की जनता हर हाल में अपने राष्ट्र की समृद्धि तथा गौरवपूर्ण स्थिति देखना चाहती थी।

इसी क्रम में इंग्लैण्ड में हुयी गौरवपूर्ण क्रान्ति, जिसमें देश की जनता ने राष्ट्र के हित के लिए राजा से बगावत कर दी, ने राष्ट्र-वाद की अवधारणा को और मजबूती प्रदान की। वस्तुतः इससे इस बात को बल मिला कि राष्ट्रहित सर्वोपरि है और इसकी पूर्ति हेतु किसी ~~भी~~ हद तक जाना उचित है ~~वस्तुतः~~ अब जनता की वफादारी राजा के प्रति न होकर राष्ट्र के प्रति होने लगी।

इसी प्रकार फ्रांस की क्रान्ति ने जब राजशाही को उखाड़कर लोकतंत्र को लागू किया। और जब लोकतांत्रिक सरकार फ्रांस की राष्ट्रवादी

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

भावना का सम्मान न कर सकी और विभिन्न युद्धों में हारने लगी जिससे फ्रांस का राष्ट्रवाद आहत हुआ और फ्रांसीसी जनता ने क्रांति के द्वारा नेपोलियन को सत्ता सौंप दी।

नेपोलियन ने अपने विजय क्रम में विभिन्न युद्धों को जीतकर इनका राजनैतिक एकीकरण किया जिसके चलते इनमें भी राष्ट्रवाद की भावना का प्रसार किया और इनके प्रति उस राजकुमार की तरह कार्य किया जिसने जंगल में सोई राजकुमारी को जादू की छड़ी से जगा दिया।

इस प्रकार यह कहना उपयुक्त होगा कि राष्ट्रवाद की भावना विभिन्न क्रांतियों से होते हुए न केवल विश्व युद्धों का कारण बनी अपितु राष्ट्रीय आन्दोलनों के क्रम में उपनिवेशवाद के पतन का कारण भी बनी।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) "औद्योगिक क्रांति का परिणाम था नई जनता, नए वर्ग, नई नीतियाँ, नई समस्याएँ और नए साम्राज्य।" कथन की विवेचना कीजिये। 15

"The outcomes of the industrial revolution were new people, new classes, new policies, new problems and new empires." Discuss the statement. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

यूरोप में पुनर्जागरण तथा प्रबोधन के पश्चात जब मानव खोज तथा ज्ञान-विज्ञान पर बल दिया तो विभिन्न भौगोलिक तथा वैज्ञानिक खोजें सामने आयीं जिसके चलते सम्पूर्ण विश्व में औद्योगिक क्रान्ति का सूत्रपात हुआ जिसमें अपनी कालिक तथा स्थानिक विशेषताएं थी।

औद्योगिक क्रान्ति के परिणाम स्वरूप समाज में निम्न परिवर्तन हुए-

1) आर्थिक क्षेत्र में पूँजी का प्रवाह बढ़ा तो उद्योग तथा कारखाना उत्पादित विभिन्न वस्तुओं की भरमार से वस्तुएं सस्ती हुयी और उनकी उपलब्धता बढ़ी जिसके चलते जनता और एक नये वर्ग

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

उपभोक्तावादी तथा विलासी वर्ग का उदय हुआ।
ii) उत्पादन की अधिकता तथा पूँजी के चलते समाज में पूँजीपति तथा श्रमिक वर्गों का उदय हुआ जिन्होंने सामंत तथा मजदूर की जगह ली और इनका सम्बन्ध भी आपस में तनाव पूर्ण था।
iii) पूँजीपतियों द्वारा अपने उद्योगों के संरक्षण हेतु तथा अपना उत्पादन बढ़ाने हेतु विभिन्न उपाय किये गये जिसके चलते कुछ सुधारात्मक नीतियाँ यथा नियत मजदूरी, बीमा, बोनस, आदि का अधिकार मिला साथ ही में लोकतंत्र में भागीदारी हेतु मतदान का अधिकार भी मिला।
iv) इसी क्रम में गाँव से शहर की ओर रोजगार तथा सुविधाओं की तलाश में विस्थापन शुरु हुआ जिसके चलते शहर में भीड़ बढ़ी तो आधुनिक

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

समाज में काम की अधिकता तथा दबाव के चलते मशीनी मानव का जन्म हुआ जो एकांत से परेशान था तो साथ ही अवसादग्रस्त था जिसके कारण उच्च रक्तचाप, शुगर आदि स्वास्थ्य सम्बन्धी परेशानियों का भी उदय हुआ।

उपर्युक्त कार्यों के अलावा औद्योगिक क्रान्ति के फलस्वरूप भारत जैसे उपनिवेशों में ~~हस्तशिल्प~~ उद्योगों का पतन हुआ तो गुलामी के चलते नवीन उद्योगों का विकास भी नहीं हुआ। परिणामस्वरूप उपनिवेश राष्ट्र आधुनिकता, मानवमूल्य, विकास की दौड़ में अन्य औद्योगिक राष्ट्रों से पिछड़ गये और भुखमरी, गरीबी, अशिक्षा जैसी समस्याओं ने यहाँ पे जन्म लिया।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) "इटली के एकीकरण के विचार की आधारशिला रखने का कार्य मैजिनी ने किया तो इसे वास्तविकता प्रदान करने में कावूर का महत्त्वपूर्ण योगदान रहा।" विश्लेषण कीजिये। 15

"If Mazzini contributed in laying the foundation of the idea of unification of Italy, then Cavour had an important contribution in making it a reality." Analyse. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

फ्रांस की क्रान्ति के पश्चात लगभग सम्पूर्ण यूरोप में स्वतन्त्रता, समानता, बंधुत्व के नारे का प्रसार हो रहा था तो इसी के साथ नेपोलियन के कार्यों ने इटली में एकीकरण की प्रक्रिया हेतु आधार भी तैयार किया। वस्तुतः तत्कालीन उत्तरी इटली में ~~[illegible]~~ ~~[illegible]~~ आस्ट्रिया का प्रभुत्व था तो मध्य में पोप का राज्य था तो दक्षिणी इटली में फ्रांस संबंधी राजवंशों का शासन था। इटली के एकीकरण हेतु इन सभी विदेशी शासन से मुक्ति आवश्यक थी। इसी क्रम में विचारक मैजिनी ने अपनी संस्था यंग इटली के माध्यम से युवाओं को अपनी संस्था में जोड़ना शुरू किया तथा

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

इनके जरिये इटली के लोगों में जागरूकता फैलाने का प्रसार किया। इसके चलते सम्पूर्ण इटली में एकीकरण की भावना का प्रसार हुआ।

अब अगर कावूर का दृष्टिकोण देखें तो उसका मानना था कि एकीकरण हेतु विदेशी शक्ति की मदद आवश्यक होगी और इसलिए उसने क्रीमिया युद्ध में फ्रांस का पक्ष लेकर विजय के पश्चात फ्रांस के साथ आस्ट्रिया के विरुद्ध प्लोम्बियर्स की संधि की और उत्तर से एकीकरण की प्रक्रिया प्रारम्भ की किन्तु उसके साथ विल्लाफ्रेंका का विश्वासघात हुआ और यह प्रक्रिया अवरुद्ध हुयी।

अब कावूर ने दक्षिण से एकीकरण का प्रयास किया और सिसली नेपल्स में जनमत संग्रह द्वारा तथा गैरीबाल्डी की सहायता से एकीकरण की

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

प्रक्रिया जारी रखी और जब जर्मनी के साथ फ्रांस और आस्ट्रिया का संघर्ष हुआ तो उसने जर्मनी की तरफ रहकर इटली के एकीकरण को पूरा किया तथा संयुक्त इटली की राजधानी रोम को बनाया और इस प्रकार अब "इटली महज एक भौगोलिक अभिव्यक्ति नहीं था।"

निष्कर्षतः यह स्पष्ट है कि इटली के एकीकरण का कार्य तत्कालीन समय की परिस्थितियों, 'जैसे कि राष्ट्रवाद की भावना, कोयला व लोहा की उपस्थिति व बौद्धिकों द्वारा एकीकरण के पक्ष में प्रचार करना' आदि के परिणामस्वरूप सम्पन्न हुआ था जिसने जर्मनी के एकीकरण के साथ पूर्ण होकर यूरोपीय व्यवस्था के ध्वंस का कार्य शुरू किया।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

3. (a) प्रथम विश्वयुद्ध के पूर्व यूरोपीय देशों के बीच कूटनीतिक संधियों के दौर ने किस प्रकार प्रथम विश्वयुद्ध को अवश्यंभावी बना दिया? विश्लेषण कीजिये। 15

How did the first world war become inevitable due to diplomatic treaties signed between the European countries before the first World War? Analyse. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

प्रथम विश्वयुद्ध का आरम्भ तत्कालीन यूरोपीय राजनीति के तनाव भरे माहौल का स्वाभाविक परिणाम था जिसमें साम्राज्यवाद की प्रतिस्पर्धा, गुटीय राजनीति आदि कारण प्रमुख थे।

19 वीं शताब्दी में यूरोप में प्रवाहित हो रही स्वतंत्रता, राष्ट्रवाद, बंधुता, समानता की भावना ने इटली व जर्मनी के एकीकरण को प्रोत्साहित किया और इसी क्रम में जर्मनी व फ्रांस के मध्य हुयी फ्रेंकफर्ट की संधि यूरोप के लिए एक रिसने वाला फोड़ा बन गयी। वस्तुतः इसके कारण जर्मनी ने फ्रांस की अलसॉस-लोरेन जैसे समृद्ध प्रदेश पर नियंत्रण किया व आर्थिक जुर्माना भी लगाया।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

फलस्वरूप अब यूरोप में जर्मनी रूपी नये स्वामी का उदय हुआ और इसने अपने औपनिवेशिक विस्तार को बढ़ाते तथा फ्रांस को अलग-थलग रखने हेतु विभिन्न देशों के साथ गुप्त सैन्य संधियां करना प्रारम्भ कर दिया। इसको जर्मनी के सम्राट के कथन-"हमें भी सूर्य के नीचे जगह चाहिए" द्वारा समझा जा सकता है।

जर्मनी द्वारा इस प्रकार की राजनीति के चलते गुटीय गोलबंदी को बढ़ावा मिला जिसमें रूस, फ्रांस तथा ब्रिटेन एक तरफ तो जर्मनी, ऑस्ट्रिया, इटली एक तरफ थे। इसी क्रम में सम्पूर्ण यूरोप लगभग दो खेमों में विभाजित था। इसी के साथ जब ~~[illegible]~~ सेराजेवो हत्याकाण्ड के चलते दो

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

छोटे देश आपस में भिड़े तो दोनों गुटो के देश आपस में भिड़ गये और विश्वयुद्ध प्रारम्भ हो गया। शायद इसीलिए कहा भी गया है कि यह युद्ध शुरू घोड़ो द्वारा किया गया था घुड़सवार तो इसमें बाद में शामिल हुए थे।

निष्कर्षतः यह स्पष्ट है कि प्रथम विश्वयुद्ध के आरम्भ में गुटीय राजनीति का अहम योगदान था वस्तुतः इस प्रकार की राजनीति के चलते यूरोप बारूद के ढेर पर बैठा हुआ था जिसे बस एक चिंगारी की आवश्यकता थी और यह कार्य सेरा-जेवो की हत्या ने किया और सम्पूर्ण विश्व युद्ध की विभीषिका में उलझ गया।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(b) "प्रारंभ में यूरोपीयों का अफ्रीका में प्रवेश नैतिक दृष्टिकोण से प्रेरित था, परंतु शीघ्र ही इसने साम्राज्यवादी रूप धारण कर लिया।" मूल्यांकन करें। 15

"Europeans were inspired by the ethical approach to enter Africa in the beginning, but sooner it assumed imperialist form." Evaluate. 15

पुनर्जागरण और प्रबोधन के पश्चात जब यूरोपीय राष्ट्रों की आधुनिकता में वृद्धि हुयी तो उन्होंने व्यापार, वाणिज्य हेतु नवीन रास्तों तथा ठिकानों की खोज आरम्भ कर दी इसी क्रम में भारत जाने वाले समुद्री रास्ते की खोज हुयी तो अफ्रीकी महाद्वीप का विस्तार भी हुआ

वस्तुतः आरम्भ में जब यूरोपीय शक्तियाँ अफ्रीका महाद्वीप पहुँची तो उनके मुख्य उद्देश्य थे कि व्यापार - वाणिज्य करना तथा अपनी संस्कृति तथा ईसाई धर्म का प्रचार - प्रसार करना। वस्तुतः उनका मानना था कि ईसाई धर्म श्रेष्ठ है इसीलिए दुनिया को सभ्य बनाने हेतु वे ईसाई धर्म का प्रचार

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

आवश्यक मानते थे इसी क्रम में इन्होंने अफ्रीका में अपनी व्यापारिक कोठिया स्थापित की। इसी सन्दर्भ में यूरोपीय शक्तियों का अफ्रीका में प्रवेश नैतिक दृष्टिकोण से युक्त माना जाता है।

किन्तु जब उन्होंने अफ्रीकी महाद्वीप के पिछड़ेपन तथा उसकी संसाधन सम्बन्धी विशालता को एक साथ देखा तो उन्होंने वहाँ पर अपना राजनीतिक विस्तार प्रारम्भ कर दिया। वास्तव में वे सम्पूर्ण अफ्रीका पर अधिकार करने के बाद उसके सम्पूर्ण संसाधनों पर भी अधिकार चाहते थे जिसमें अफ्रीकी लोगों का दास रूप में व्यापार भी शामिल था।

इसी क्रम में उन्होंने अफ्रीकी पिछड़े समाज जो जनजाति बहुल था, से विभिन्न संघर्ष किये और सम्पूर्ण अफ्रीका को विभिन्न

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

यूरोपीय राज्यों ने आपस में बाँट लिया और फिर वहाँ पर संसाधनों की लूट आरम्भ की जिसका एकमात्र उद्देश्य औपनिवेशिक शक्ति के हितों की पूर्ति था। इसके लिए उन्होंने अफ्रीकी समाज में नस्लभेद, रंगभेद, धार्मिक आधार पर, नृजातीय आधार पर विभाजन कायम किया और राजनीतिक सत्ता बनाये रखी।

इस प्रकार यह कहना उचित होगा कि भले ही उनका अनजाने में अफ्रीका आने का उद्देश्य नैतिक था किन्तु जब उन्होंने अफ्रीकी समाज की समृद्धता तथा संसाधन की विशालता को देखा तो ~~उनकी~~ यूरोपीय शक्तियों का असली चेहरा जो कि साम्राज्यवादी था, सामने आ गया और उन्होंने अफ्रीकी समाज में अपने उपनिवेश स्थापित किये जैसा कि उन्होंने एशिया में भी किया था।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

(c) महायुद्धों के पश्चात् वैश्विक राष्ट्रीय गतिरोध को न्यून करने में संयुक्त राष्ट्र संघ कहाँ तक सफल हुआ है? मूल्यांकन करें। 20

How successful was the United Nations (UNO) in reducing the global national deadlock after Great War? Evaluate. 20

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

लगभग लगातार दो विश्वयुद्धों की विभीषिका झेलने के बाद एक ऐसे संगठन की आवश्यकता महसूस की जाने लगी थी जो राष्ट्रों के मध्य राजनीतिक तनाव कम करने का एक उचित माध्यम बन सके।

संयुक्त राष्ट्र की स्थापना 1945 में की गयी तथा इसके 6 प्रमुख अंग हैं जिनमे सुरक्षा परिषद, महासभा, अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय प्रमुख है। अपनी स्थापना के बाद से ही संयुक्त राष्ट्र के प्रमुख कार्यों को निम्न बिंदुओ में समझा जा सकता है-

1) विभिन्न राष्ट्रों के मध्य हुए तनाव को कम करने हेतु सुरक्षा परिषद मे शान्ति प्रस्ताव लाया जाता है जैसे कि

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

कश्मीर मुद्दे पर, कोरिया मुद्दे पर आदि।

ii) विभिन्न प्रकार के गृहयुद्ध में फँसे देशों में शांति मिशन चलाकर वहाँ स्थिति में सुधार का प्रयास तथा राजनीतिक गतिरोध को समाप्त करने का प्रयास करता है।

iii) इसी प्रकार संयुक्त राष्ट्र द्वारा विभिन्न देशों के बीच युद्ध की स्थिति में मध्यस्थ की भूमिका निभाकर उनके गतिरोध को कम करने की कोशिश की जाती है।

iv) सुरक्षा परिषद के सदस्यों द्वारा प्रत्यक्ष सैन्य कार्रवाई की धमकी देकर भी विभिन्न राजनैतिक संघर्ष सुलझाये गये हैं।

किन्तु इन सबके बावजूद संयुक्त राष्ट्र राजनैतिक मोर्चे पर अत्यधिक सफल नहीं हुए है जैसे कि भारत-पाकिस्तान संघर्ष अभी बना हुआ है तो

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

मध्य पूर्व व पश्चिमी एशिया में अस्थिरता का माहौल है और फिर चाहे सीरिया संकट हो या म्यांमार का शरणार्थी संकट, कहीं न कहीं संयुक्त राष्ट्र अपनी जिम्मेदारी पूरी तरीके से नहीं निभा पा रहा है।

अतः हम कह सकते हैं कि भले ही संयुक्त राष्ट्र राजनैतिक मुद्दे पर फेल हो गया किन्तु अन्य क्षेत्र जैसे कि वैश्विक हैल्थ (WHO), यूनेस्को, WTO आदि के माध्यम से सम्पूर्ण विश्व में न केवल संतुलन कायम करने की कोशिश कर रहा है बल्कि सामाजिक, सांस्कृतिक क्षेत्र में अमूल्य योगदान देकर मानवता की सेवा के साथ-साथ विरासत की रक्षा भी कर रहा है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

4. (a) रूसी क्रांति (1917 ई.) के बाद युद्धकालीन साम्यवादी शासन व्यवस्था ने कृषि एवं उद्योगों को गतिशीलता न प्रदान कर, व्यापक क्षति पहुँचाने का कार्य किया। संदर्भ सहित व्याख्या करें। 15

After the Russian Revolution (1917), the war-time Communist regime do not provide the mobility to agriculture and industries, caused widespread damage. Explain with the context. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(c) एक सर्वांगिण युद्ध के रूप में प्रथम विश्वयुद्ध के सामाजिक निहितार्थों को स्पष्ट करें।

Explain the social implications of World War I as an all-round war.

प्रथम विश्वयुद्ध (1914-1918) में हुयी विभिन्न प्रकार की आर्थिक, सांस्कृतिक, सामाजिक, जन की हानि के चलते इसे एक महाविनाशकारी युद्ध की संज्ञा दी जाती है। जिसके नकारात्मक प्रभाव तो बहुत ज्यादा है किन्तु कुछ सकारात्मक परिणाम भी प्राप्त हुए।

सामाजिक क्षेत्र में देखा जाये तो :-

i) पहली बार विभिन्न नस्ल, जाति के लोग एक साथ लड़े जिसके चलते बंधुता का प्रसार हुआ तथा नस्लीय भेद-भाव के स्तर में कमी आयी।

ii) इसी तरह युद्ध के क्षेत्र में पुरुषों के जाने से घर के कार्य तथा बाहर के कार्य हेतु महिलाओं ने अपनी भूमिका बढ़ायी जिसके चलते महिला सशक्तीकरण हुआ।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

iii) विश्वयुद्ध के दौरान आर्थिक क्षति के कारण महँगाई बढ़ी जिनके चलते समाज में तनाव तथा असंतोष का माहौल बना और फासीवादी सरकारों की स्थापना का मार्ग प्रशस्त हुआ।

iv) इसी प्रकार विश्वयुद्ध के पश्चात नई तकनीकों तथा आविष्कारों की खोज हुयी जिनके चलते मानव जीवन अधिक आसान तथा आधुनिक हुआ।

v) विश्वयुद्ध के परिणामस्वरूप यूरोप के पुनः निर्माण के लिए अमेरिकी धन का उपयोग हुआ और इसी क्रम में अमेरिका का वैश्विक राजनीति में उदय हुआ।

इस प्रकार स्पष्ट है कि प्रथम विश्व युद्ध अपने साथ चले ही कितनी भी ~~[illegible]~~ सकारात्मक परिवर्तन लाया हो किन्तु इस युद्ध की विभीषिका तथा इसका विनाश, इन सकारात्मक कार्रवाई द्वारा छुप नहीं सकता है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(d) 'अर्द्ध-उपनिवेशवाद' से क्या अभिप्राय है? इसके उदय के कारणों को स्पष्ट करते हुए चीन पर पड़े इसके प्रभावों की चर्चा करें।

What does 'semi colonialism' mean? By explaining the reasons for its rise discuss its impact on China.

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

अर्द्ध-उपनिवेशवाद का आशय है कि किसी देश की राजनीतिक सत्ता पर पूर्ण नियंत्रण / प्रत्यक्ष नियंत्रण न करते हुए दबाव के द्वारा उससे अपने आर्थिक, सांस्कृतिक हितों की प्राप्ति करते रहना। इसे विभिन्न यूरोपीय राष्ट्रों द्वारा चीन में किये जा रहे औपनिवेशिक शोषण के सन्दर्भ में समझा जा सकता है।

अर्द्ध-उपनिवेशवाद के उदय के कारणों में सबसे प्रमुख कारण है कि राजनीतिक सत्ता पर नियंत्रण से प्रशासनिक खर्च बढ़ता है तो साथ ही जन विद्रोहों के चलते आर्थिक लाभ से समझौता होता है जो जन की हानि भी होती है और इसी कारण अर्द्ध-उपनिवेशवाद को अपनाया गया। अन्य कारणों में जैसे

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

कि अन्य यूरोपीय शक्तियों से प्रत्यक्ष संघर्ष का सामना न करना पड़े तो युद्ध सम्बन्धी व्यय से बचना भी एक उद्देश्य रहा था।

चीन के सन्दर्भ में अर्द्ध उपनिवेशवाद के प्रभावों को निम्न बिन्दुओं के तहत समझा जा सकता है

i) चीन में राजतंत्र का पतन हुआ तथा गणतंत्रात्मक सरकार की स्थापना हुयी।

ii) इसी क्रम में चीनी व्यापार पर यूरोपीय नियंत्रण स्थापित हुआ।

iii) चीन में चाय के बदले अफीम की बिक्री ने चीनी जनता को नशे का आदी बना दिया।

iv) चीन में ईसाई धर्म का प्रचार-प्रसार भी बढ़ा।

इस प्रकार अर्द्ध-उपनिवेशवाद के लक्षणों को देखकर इसकी साम्यता पूर्ण उपनिवेशवाद के साथ स्थापित की जा सकती है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

7. (a) यूरोपीय प्रबोधन के विचारों, मूल्यों एवं अंतनिर्हित भावनाओं के यूरोप के बाहर के देशों में प्रसार की चर्चा करें। 15

Discuss the ideas, values, and inner feelings of European awakening which spread in the countries outside Europe. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

16वीं तथा 17वीं शताब्दी का काल यूरोप में पुनर्जागरण तथा प्रबोधन का काल था इसके तहत मानव स्वतंत्रता तथा बुद्धिवाद पर बल दिया गया तो धर्म के बंधन ढीले पड़े। इसी क्रम में इन भावनाओं का प्रसार यूरोप से बाहर भी हुआ।

प्रबोधन के विचारो, मूल्यों में प्रमुख लक्षण जैसे कि - मानवतावाद पर बल, तर्कवाद, साहसिक यात्राओं की शुरुआत, मनुष्य को संसार का केन्द्र मानना, स्वतंत्रता, समानता, बंधुत्व की अवधारणा, राष्ट्रहित की भावना आदि थी जिसके चलते सम्पूर्ण यूरोप में ज्ञान-विज्ञान को बढ़ावा मिला तथा औद्योगिक क्रान्ति का आधार प्रशस्त हुआ।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

इन भावनाओं के प्रसार की दृष्टि से देखे तो इनका प्रसार वैश्विक था। वस्तुतः यूरोप में फ्रांस की क्रान्ति, रूस की क्रान्ति आदि को इन्होंने प्रेरित तो किया ही साथ में यूरोप से बाहर जैसे कि अमेरिकी क्रान्ति को प्रेरित करने में मुख्य भूमिका निभायी जिसके चलते सम्पूर्ण अमेरिकी महाद्वीप पर उपनिवेशवाद विरोधी आन्दोलन शुरू हुए।

इसी प्रकार यह भावना इटली जर्मनी के एकीकरण में योगदान देती है तो यूरोप से बाहर तुर्की साम्राज्य की जनता के मन में स्वतंत्रता, समानता बंधुत्व के विचार जगा देती है। जिसके चलते ऑटोमन साम्राज्य का विघटन प्रारम्भ हो जाता है और इसी के साथ इस भावना के प्रभाव के चलते भारतीय राष्ट्रवादी तथा अफ्रीकी उपनिवेश

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

वाद विरोधी आन्दोलन को भी बल मिला।

प्रबोधन के विचारों के फलस्वरूप विभिन्न वैज्ञानिक खोजें हुयी जिनके चलते औद्योगिक क्रान्ति सम्भव हुयी इसका क्षेत्र विस्तार वैश्विक था जैसे कि अमेरिकी औद्योगिक क्रान्ति, जापान में औद्योगिक क्रान्ति, जर्मनी में, ब्रिटेन में औद्योगिक क्रान्ति घटी।

इस प्रकार स्पष्ट है कि प्रबोधन के विचारों, मूल्यों तथा भावनाओं से भले ही सम्पूर्ण विश्व प्रभावित हुआ हो किन्तु उप-निवेशवाद के सन्दर्भ में देखा जाये तो इसका सर्वाधिक लाभ यूरोपीय राष्ट्रों ने उठायी थी तथा भारत या अफ्रीकी देश प्रभावित होने के बावजूद भी गुलाम बने रहे।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) वर्तमान में विकसित देश अपनी साम्राज्यवादी महत्त्वाकांक्षा की पूर्ति के लिये किस प्रकार की नीति का अनुपालन कर रहे हैं? स्पष्ट करें। 15

Which type of policy is currently followed by developed countries to fulfill their imperial objectives? Explain. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

द्वितीय विश्वयुद्ध की समाप्ति के पश्चात उत्पन्न राजनैतिक तथा आर्थिक अस्थिरता के फलस्वरूप जब उपनिवेशवाद का पतन हुआ और नवीन स्वतंत्र राष्ट्र अस्तित्व में आये तो इनके शोषण की नयी पद्धतियों का भी विकास किया गया।

वर्तमान में नव उपनिवेशवादी व्यवस्था के तहत विकसित देश अपनी साम्राज्यवादी महत्वाकांक्षा की पूर्ति कर रहें है और इसके जरिये विकासशील या तृतीय विश्व के देशों का शोषण अब भी अप्रत्यक्ष रूप से जारी है जिसमें उनकी राजनैतिक, सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक व्यवस्था पर इनका नियंत्रण प्रत्यक्ष न होकर

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

अप्रत्यक्ष प्रकृति का है।

अपनायी जा रही नीतियाँ :-

i) इसके लिए आर्थिक सहायता देकर विकासशील देश की शासन की नीतियों को अपने हित के अनुरूप निर्मित कराया जाता है।

ii) अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर राजनैतिक दबाव बढ़ाकर विकसित देश के व्यापार-वाणिज्य को लाभ पहुँचाने वाली विभिन्न नीतियों का निर्माण किया जाता है।

iii) विकसित देश द्वारा अपनी संस्कृति तथा भोग की प्रवृत्ति का अत्यधिक प्रचार-प्रसार किया जाता है जिसके चलते विकासशील देश में इनके उत्पादों की माँग बढ़ती है और उनका विकास समुचित तरीके से नहीं हो पाता है।

iv) तकनीकी, शिक्षा, स्वास्थ्य के क्षेत्र में विकसित देशों के अग्रणी होने के कारण इन देशों द्वारा अपनी तकनीकी की विकासशील देशों से बहुत ऊँची

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

कीमत ली जाती है या फिर उस देश में अपने शर्तों पर व्यापार करने की अनुमति माँगी जाती है जिसके चलते स्थानीय स्तर पर व्यवसाय तथा कार्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

v) विकसित देशों द्वारा विकासशील देशों में राजनैतिक अस्थिरता को बढ़ावा देकर तनाव उत्पन्न किया जाता है और प्रत्यक्ष हस्तक्षेप द्वारा या सैन्य हस्तक्षेप द्वारा अपने हितों की पूर्ति की जा रही है।

vi) हथियारों की स्पर्धा को बढ़ावा देकर विकासशील देशों का ध्यान विकास से हटाकर युद्ध की ओर किया जाता है ताकि विकसित देशों का कारोबार बढ़ सके।

इस प्रकार स्पष्ट है कि भले ही उपनिवेशवाद की समाप्ति हो गयी हो किन्तु उसके लक्ष्य अभी भी बने हुए हैं और उनकी पूर्ति भी हो रही है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

(c) "उपनिवेशवाद की समाप्ति को अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में एक क्रांति की संज्ञा दी गई है।" कथन के संदर्भ में उपनिवेशवाद उन्मूलन के कारणों की चर्चा कीजिये। 20

"The end of colonialism has been termed as a revolution in international politics." Discuss the reasons for abolition of colonialism in the context of the statement. 20

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

साम्राज्यवाद की ~~प्रक्रिया~~ के चलते जब एक मातृ देश द्वारा दूसरे देश पर आर्थिक, सांस्कृतिक, राजनैतिक नियंत्रण स्थापित कर उसके संसाधनों का प्रयोग अपने हितों की पूर्ति के लिए किया जाता है तो यह प्रक्रिया उपनिवेशवाद कहलाती है। जिसमें मातृ देश औपनिवेशिक शक्ति तथा शोषित देश उपनिवेश कहलाता है।

उपनिवेशवाद की समाप्ति लगभग दूसरे विश्व युद्ध के बाद से प्रारम्भ होकर २० वीं शताब्दी के अन्त तक चली जिसके फलस्वरूप उपनिवेश की जनता का जीवन स्तर ऊपर उठा, उनके संसाधनों पर उनका नियंत्रण स्थापित हुआ, उनकी शिक्षा, स्वास्थ्य, अवसंरचना सम्बन्धी आवश्यकताएँ पूरी होने लगी तो राजनीतिक

Copyright – Drishti The Vision Foundation

तौर पर इनका लोकतंत्रीकरण भी हुआ और समग्र तौर पर देश की आर्थिक, राजनीतिक हालातों में भी सुधार हुआ। जिसके चलते उपनिवेशवाद की समाप्ति को क्रांति की संज्ञा देना उचित है।

* उपनिवेशवाद उन्मूलन के कारण *

i) द्वितीय विश्व युद्ध के समय विभिन्न यूरोपीय राष्ट्रों की आर्थिक तथा सैन्य ताकत कमजोर हुयी जिसके चलते उपनिवेश पर प्रत्यक्ष नियंत्रण रखना कठिन हुआ।

ii) विश्वयुद्ध के पश्चात साम्यवादी रूस द्वारा तथा अमेरिका द्वारा विभिन्न राष्ट्रों की स्वतंत्रता का समर्थन भी किया गया।

iii) संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना भी, जिसका मुख्य उद्देश्य विश्व में शांति तथा शोषण व भेदभाव की समाप्ति हेतु हुयी थी, उपनिवेशवाद

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

के उन्मूलन को प्रोत्साहित करती रही
iv) विभिन्न राष्ट्रों में राष्ट्रीय आन्दोलन अब अपने चरम पर था अर्थात उन पर नियंत्रण रखना अब मुश्किल था।
v) इसी प्रकार विश्वयुद्ध के समय मित्र राष्ट्रों की घोषणा की वह लोकतंत्र तथा लोगों की स्वतंत्रता के लिए लड़ रहे हैं और अटलांटिक चार्टर की घोषणा ने भी उपनिवेशवाद का वैधानिक आधार कमजोर किया।

अतः यह कहा जा सकता है कि भले ही उपनिवेशवाद का उन्मूलन हो गया है। किन्तु आधुनिक विश्व में आज वित्तीय सहायता देकर किसी देश की नीतियों पर प्रभाव डालने की प्रक्रिया का जन्म हो चुका है जो अपने शोषणवादी स्वरूप के चलते नव-उपनिवेशवाद के नाम से जानी जाती है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation